वर्ष :: 33 अंक : 38
पृष्ठ : 08 :: मूल्य 2 रुपए मात्र

मिथिला
वर्णन
स्वच्छ पत्रकारिता, स्वस्थ पत्रकारिता
झारखंड-बिहार का लोकप्रिय हिन्दी साप्ताहिक

/mithilavarnan

बोकारो :: रविवार, 18 जून, 2023 News & E-paper : www.varnanlive.com E-mail : mithilavarnan@gmail.com

पूरे परिवार के लिये आध्यात्मिक पत्रिका

अवश्य पढ़ें-
निखिल-मंत्र-विज्ञान
14ए, मैनरोड, हाईकोर्ट कॉलोनी, जोधपुर (राज.)
फोन : (0291) 2624081, 263809

एनटीपीसी पर 1200 करोड़ का जुर्माना

सख्ती... देश के इतिहास में किसी भी पब्लिक सेक्टर कंपनी पर अब तक का सबसे बड़ा अर्थदंड

मामला पंकरी बरवाडीह कोल परियोजना में शर्तों के विरुद्ध दुमुहानी नाला नष्ट करने का

देवेन्द्र शर्मा

रांची/हजारीबाग : भारत सरकार की महारत्न कंपनी बड़कागांव एनटीपीसी पर पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने लगभग 1200 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया है। देश के इतिहास में किसी भी पब्लिक सेक्टर कंपनी पर अब तक का यह सबसे बड़ा जुर्माना है। बड़कागांव के मंटू सोनी की शिकायत पर एनटीपीसी की पंकरी बरवाडीह कोल परियोजना में शर्तों के खिलाफ क्षेत्र की जीवनरेखा दुमुहानी नाला (नदी) को नष्ट कर अवैध खनन के मामले

में पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की केंद्रीय एडवाइजरी कमेटी ने एनटीपीसी पर शर्तों का उल्लंघन कर अवैध खनन के मामले में सुप्रीम कोर्ट के आदेशानुसार एनपीवी की पांच गुणा राशि 12 प्रतिशत ब्याज के साथ वसूलने का निर्णय लिया है। इससे संबंधित पत्र झारखंड सरकार के वन विभाग के प्रधान सचिव को भेज दिया गया है। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के असिसटेंट इंस्पेक्टर जनरल ऑफ फॉरेस्ट सुमित भारद्वाज ने 17 फरवरी को पत्र जारी कर उपसमिति से शीघ्र रिपोर्ट मांगी थी। समिति ने अप्रैल में रिपोर्ट भारत सरकार को भेज दी थी। 25 अप्रैल को पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की एडवाइजरी कमेटी ने एनटीपीसी पर सुप्रीम कोर्ट के निर्देशानुसार एनपीवी की पांच गुणा राशि 12 प्रतिशत ब्याज सहित जुर्माना लगाने का निर्णय लिया। एनटीपीसी और उसके एमडीओ त्रिवेणी सैनिक माइनिंग द्वारा भारत सरकार की शर्तों का उल्लंघन कर अवैध खनन मामले में मंत्रालय के क्षेत्रीय कार्यालय, रांची द्वारा 156 हेक्टेयर में अवैध खनन मामले में एनपीवी का 3.5 प्रतिशत के अनुसार 81 करोड़ जुर्माना लगाने की अनुशंसा की गयी थी। इसके बाद केंद्रीय वन मंत्रालय की एडवाइजरी कमेटी ने एनटीपीसी के कुल लीज क्षेत्र 1026 हेक्टेयर वन भूमि पर एनपीवी का पांच गुणा 12 प्रतिशत ब्याज के साथ जुर्माना लगाने का निर्णय लिया। इस प्रकार 1026 हेक्टेयर **(शेष पेज- 7 पर)**

IPEC
www.ipecmedical.com
IPEM
FORUM for NEET
NEET - UG RESULT - 2023

Glimpse of NEET 2023 Result
Score 644 Priyanshu Kumar AIR - 8761
Score 627 Nisha Kumari AIR - 6208*
Score 504 Kashish Kumari AIR - 4285*

Let your dreams take flight and turn them into a reality with our new NEET batches

Warrior 650+ Batch
for Class 12th Passed (NEET - UG 2024) :
25th June 2023, Friday 9:00 am - 2:100 pm
Admission is Open

12 650+ Repeater Batch PASS NEET 2024
Detailed Teaching of all 97 chapters by subject experts
Weekly Test & NEET Mock Test to improve speed and accuracy
1 Year Classroom Programe
Batches Starting from : 25th JUNE,23

Capstone Batch
for Class 11th (NEET - UG 2025) :
25th June 2023, Sunday

11 Capstone Two Year Batch for Studying NEET 2025
Detailed Teaching of all 97 chapters by subject experts
Weekly Test & NEET Mock Test to improve speed and accuracy
2 Year Classroom Programe
Batches Starting from : 25th JUNE,23

06542-232381, 9263636343
Add. - A-17, 3rd Floor, City Centre Sec- 4
Above Saree Sangam, Bokaro Steel City, ipecmedical.com
IPEC Eduserv Pvt. Ltd.

– संपादकीय –

समान संहिता पर कुतर्क क्यों?

केन्द्रीय विधि आयोग द्वारा समान नागरिक संहिता पर देश के नागरिकों व सामाजिक-धार्मिक संगठनों से उनकी राय मांगने की घोषणा करते ही इसके विरोध में तरह-तरह के तर्क दिये जाने लगे हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व महासचिव जयराम रमेश ने तो समान नागरिक संहिता पर विधि आयोग की पहल को मोदी सरकार के ध्रुवीकरण का एजेन्डा बता दिया। जयराम रमेश शायद संविधान निर्माताओं के फैसले को भी ध्रुवीकरण का ही एजेन्डा बताना चाहते हैं, जिसके अनुच्छेद 44 में यह साफ लिखा गया कि देश के सभी नागरिकों के लिए समान नागरिक संहिता लागू करना सरकार का दायित्व है। जबकि, कांग्रेस को इस पर शर्म होनी चाहिए कि आजादी के बाद देश में सबसे लम्बे समय तक शासन करने के बाद भी उसने समान नागरिक संहिता के मामले में देश के संविधान निर्माताओं की इच्छा का अनादर किया। सच कहा जाय तो उसने ऐसा जान-बूझकर किया, क्योंकि भारी विरोध के बावजूद उसने हिन्दुओं के निजी कानून को संहिताबद्ध कर दिया। जबकि, सभी अन्य समुदायों के निजी कानूनों को भी संहिताबद्ध कर समान नागरिक संहिता लागू करने की दिशा में प्रयास होने चाहिए थे। लेकिन, कांग्रेस ने ऐसा नहीं कर देश के नागरिकों में विभेद पैदा की और राष्ट्रीय एकता की भावना को कमजोर किया। साथ ही, विभिन्न समुदायों में यह संदेश जाने से रोका कि संविधान की नजर में सभी नागरिक बराबर हैं। अब दुःखद बात यह है कि कांग्रेस अपने पुरखों के मूल्यों और सिद्धान्तों पर ही प्रश्नचिन्ह खड़ा कर रही है, जिन्होंने देश में समान नागरिक संहिता की वकालत की थी। कांग्रेस आज यह बात भूल रही है कि वर्ष 1928 में भारत के संविधान का पहला प्रारूप, जिसे मोतीलाल नेहरू की अध्यक्षता वाली समिति ने तैयार किया था, उसमें समान नागरिक संहिता की पैरवी की गई थी। अब इससे अधिक दुर्भाग्यपूर्ण क्या हो सकता है कि एक समुदाय के निजी कानूनों को संहिताबद्ध कर दिया जाय, लेकिन दूसरे समुदायों को उनके निजी कानूनों से चलने दिया जाय और वह भी वैसी स्थिति में, जब ऐसे निजी कानून कई प्रकार की सामाजिक समस्याएं पैदा करने के साथ ही महिलाओं के हितों पर कुठाराघात करते हों। समान नागरिक संहिता पर कुतर्क देने वाले राजनीतिक, सामाजिक या धार्मिक संगठनों को यह याद रखना चाहिए कि अमेरिका सहित कई अन्य देशों में भी यह व्यवस्था पहले से ही लागू है और वहां दुनिया के हर देश के नागरिक न सिर्फ निवास करते हैं, बल्कि वहां बसने के लिए लालायित रहते हैं। इसलिए विरोधी दलों के नेता समान नागरिक संहिता को लेकर भले ही कुछ कहें, अब समय आ गया है कि संविधान निर्माताओं की इच्छा का आदर करते हुए देश में समान नागरिक संहिता लागू की जाय।

आप अपने विचार अथवा अपनी रचनाएं हमें निम्नलिखित ई–मेल पर भेज सकते हैं–
mithilavarnan@gmail.com, Contact : 9431379234
Join us on /mithilavarnan
Visit us on : www.varnanlive.com
(किसी भी कानूनी विवाद का निबटारा केवल बोकारो कोर्ट में ही होगा।)

भारत की समृद्ध विरासत का संरक्षण

सरकार की पहल और सांस्कृतिक पुनरुद्धार

- नानू भसीन, ऋतु कटारिया-

भारत अपने समृद्ध इतिहास और सांस्कृतिक विविधता से परिपूर्ण देश है। देश में अनेक और अत्यधिक महत्वपूर्ण प्राचीन स्थल और विरासत स्मारक मौजूद हैं। भारत सरकार ने देश की कालातीत और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के महत्व को स्वीकार किया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने 'विकास भी विरासत भी' के नारे के तहत यह प्रयास किया है। प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय ज्ञान प्रणालियों, परंपराओं और सांस्कृतिक लोकाचार को संरक्षित करने और बढ़ावा देने के कार्य को अत्यधिक महत्व दिया है।

सभ्यतागत महत्व के उपेक्षित स्थलों का पुनर्विकास करना सरकार की महत्वपूर्ण उपलब्धियों में से एक है। मई 2023 तक, सरकार द्वारा भारत की प्राचीन सभ्यता की विरासत को संरक्षित करने के लिए अपनी अटूट प्रतिबद्धता दर्शाते हुए देश भर में तीर्थ स्थलों को कवर करने वाली 1584.42 करोड़ रुपये की लागत वाली कुल 45 परियोजनाओं को प्रसाद (पीआरएएसएडी) यानी (तीर्थयात्रा कायाकल्प और आध्यात्मिक संवर्धन अभियान) योजना के तहत अनुमोदित किया गया है।

कई दशकों की उपेक्षा के बाद, भारत के लंबे सभ्यतागत इतिहास वाले विभिन्न स्थलों को संरक्षण, पुनरुद्धार और विकास परियोजनाओं के माध्यम से पुनर्जीवित किया गया है। काशी विश्वनाथ कॉरिडोर और वाराणसी में कई अन्य परियोजनाओं ने शहर की गलियों, घाटों और मंदिर परिसरों को बदल दिया है। इसी तरह, उज्जैन में महाकाल लोक परियोजना और गुवाहाटी में मां कामाख्या कॉरिडोर जैसी परियोजनाओं से मंदिर आने वाले तीर्थयात्रियों के अनुभव को समृद्ध करने, उन्हें विश्व स्तरीय सुविधाएं प्रदान करने के साथ-साथ पर्यटन और स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। एक ऐतिहासिक क्षण में, अगस्त 2020 में अयोध्या में राम मंदिर के लिए भूमिपूजन हुआ और एक भव्य मंदिर का निर्माण जोरों पर है।

एक अन्य उल्लेखनीय प्रयास के तहत 825 किमी लंबी चारधाम सड़क परियोजना है, जो चार पवित्र धामों को निर्बाध बारहमासी सड़क संपर्क प्रदान करती है। प्रधानमंत्री ने इससे पहले 2017 में केदारनाथ में पुनर्निर्माण और विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी थी, जिसमें श्री आदि शंकराचार्य की समाधि भी शामिल थी, जो 2013 की विनाशकारी बाढ़ में तबाह हो गई थी। नवंबर 2021 में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने केदारनाथ में श्री आदि शंकराचार्य की समाधि पर उनकी मूर्ति का अनावरण किया था। इसके अतिरिक्त, गौरीकुंड को केदारनाथ और गोविंदघाट को हेमकुंड साहिब से जोड़ने वाली दो रोपवे परियोजनाएं पहुंच को और बढ़ाने और भक्तों की आध्यात्मिक यात्रा को सुविधाजनक बनाने के लिए तैयार हैं।

सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने के लिए सरकार के समर्पण के एक और उदाहरण में, प्रधानमंत्री ने गुजरात के सोमनाथ में कई परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया, जिसमें सोमनाथ प्रोमेनेड, सोमनाथ प्रदर्शनी केंद्र और पुराने (जूना) सोमनाथ के पुनर्निर्मित मंदिर परिसर शामिल हैं। इसी तरह, करतारपुर कॉरिडोर और एकीकृत चेक पोस्ट का उद्घाटन एक महत्वपूर्ण अवसर था, जिससे श्रद्धालुओं के लिए पाकिस्तान में पवित्र गुरुद्वारा करतारपुर साहिब में मत्था टेकना आसान हो गया।

स्वदेश दर्शन योजना

हिमालयी और बौद्ध सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण करना भी सरकार के प्रयासों में विशेष रूप से शामिल है। स्वदेश दर्शन योजना के हिस्से के रूप में सरकार ने भारत की विविध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाने वाले विषयगत सर्किट विकसित करने के उद्देश्य से 76 परियोजनाएं शुरू की हैं। बौद्ध सर्किट के लिए विश्वस्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास पर ध्यान केंद्रित किया गया है, जिससे भक्तों के लिए बेहतर आध्यात्मिक अनुभव सुनिश्चित हुआ है। 2021 में, कुशीनगर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन किया गया, जिससे महापरिनिर्वाण मंदिर तक आसानी से पहुंचा जा सके। पर्यटन मंत्रालय उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, गुजरात और आंध्र प्रदेश सहित विभिन्न राज्यों में बौद्ध सर्किट के तहत सक्रिय रूप से स्थलों का विकास कर रहा है। इसके अलावा श्री नरेंद्र मोदी ने मई 2022 में नेपाल के लुंबिनी में तकनीकी रूप से उन्नत भारत अंतरराष्ट्रीय बौद्ध संस्कृति और विरासत केंद्र की आधारशिला रखी थी, जो बौद्ध विरासत और भारत की सांस्कृतिक विविधता के संरक्षण और संवर्धन के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को उजागर करता है।

पुरावशेषों की वापसी के माध्यम से भारत की सांस्कृतिक विरासत को भी महत्वपूर्ण बढ़ावा मिला। 24 अप्रैल, 2023 तक, भारतीय मूल के 251 अमूल्य पुरावशेषों को विभिन्न देशों से वापस प्राप्त किया गया है, जिनमें से 238 को 2014 के बाद से वापस लाया गया है। भारत के अमूल्य पुरावशेषों की वापसी देश के सांस्कृतिक खजाने की सुरक्षा और पुनः प्राप्ति के लिए सरकार की प्रतिबद्धता का एक सशक्त प्रमाण है।

हृदय (हेरिटेज सिटी डेवलपमेंट एंड ऑग्मेंटेशन योजना) योजना के तहत 12 विरासत शहरों का विकास एक असाधारण विरासत के संरक्षक के रूप में खुद को स्थापित करने की सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। भारत प्रभावशाली 40 विश्व विरासत स्थलों का दावा करता है, जिनमें से 32 सांस्कृतिक हैं, 7 प्राकृतिक हैं, और 1 मिश्रित श्रेणी के अंतर्गत है, जो भारत की विरासत की विविधता और समृद्धि को प्रदर्शित करता है। पिछले नौ वर्षों में ही विश्व विरासत स्थलों की सूची में 10 नए स्थलों को जोड़ा गया है। इसके अतिरिक्त, भारत की अस्थायी सूची 2014 में शामिल 15 साइटों से बढ़कर 2022 में 52 हो गई है, जो भारत की सांस्कृतिक विरासत की वैश्विक मान्यता और बड़ी संख्या में विदेशी यात्रियों को आकर्षित करने की क्षमता का संकेत है।

भारत की सांस्कृतिक समृद्धि को महीने भर चलने वाले काशी तमिल संगमम के माध्यम से भी प्रदर्शित किया गया - जो कि उत्तर प्रदेश के वाराणसी में आयोजित किया गया था, जिसका उद्देश्य तमिलनाडु और काशी के बीच सदियों पुराने संबंधों का जश्न मनाना, देश के शिक्षण के 2 सबसे महत्वपूर्ण स्थानों फिर से पुष्टि करना और उन्हें खोजना है। ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से सरकार एक भारत श्रेष्ठ भारत के विचार को सशक्त रूप से बढ़ावा देती है, जिसका उद्देश्य देश की संस्कृति का जश्न मनाना है। हाल ही में, देश भर के सभी राज्यों के सभी राजभवनों द्वारा राज्य दिवस मनाने का निर्णय भी एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना को उजागर करता है।

इन सभी महत्वाकांक्षी परियोजनाओं और पहलों के माध्यम से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण से निर्देशित भारत सरकार ने देश की सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने और संरक्षित करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। वे देश की समृद्ध संस्कृति के प्रति गहरी जागरूकता और इसकी विरासत को संरक्षित करने की दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। सरकार का उद्देश्य भारत के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक खजाने की रक्षा और प्रचार करके, भारतीय इतिहास और संस्कृति की वर्तमान और भावी पीढ़ियों की समझ को समृद्ध करना है। अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों की बढ़ती संख्या को आकर्षित करने की क्षमता और विरासत स्थलों को पुनर्जीवित करने के चल रहे प्रयासों के साथ, भारत की प्राचीन सभ्यता और सांस्कृतिक परंपराएं वैश्विक मंच पर चमकती रहेंगी।

(नानू भसीन, अपर महानिदेशक, और ऋतु कटारिया, सहायक निदेशक। दोनों लेखिकाएं पत्र सूचना कार्यालय, भारत सरकार की अधिकारी हैं। रिसर्च यूनिट, पीआईबी से इनपुट।)

जल्द पूरी होगी आसमानों में उड़ने की आशा

गुड न्यूज... दुमका के पहले बोकारो में शुरू होगी व्यावसायिक उड़ान सेवा, एआईआई टीम ने जताया संतोष

संवाददाता
बोकारो : केंद्र सरकार के आदेशानुसार बोकारो में व्यावसायिक हवाई सेवाएं जल्द ही शुरू होंगी और शहरवासियों की आसमानों में उड़ने की चिर-प्रतीक्षित आशा जल्द ही पूरी होने के आसार हैं। खास बात यह है कि दुमका के पहले बोकारो में आरसीएस (रीजनल कनेक्टिविटी स्कीम) के तहत इसकी शुरुआत होगी। यह आश्वासन दिया है एयरपोर्ट अथॉरिटी के अधिकारियों ने। हालांकि, अब भी ऑपरेशनल एरिया में पेड़ों की छंटनी सहित कुछ काम बाकी हैं, जिन्हें जल्द पूरा कर लिया जाएगा। एयरपोर्ट अथॉरिटी की टीम ने बोकारो हवाई अड्डा का जायजा लिया। टीम की अगुवाई एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (ईस्ट जोन) के क्षेत्रीय अधिशासी निदेशक मनोज गंगल कर रहे थे। इनके अलावा सात अन्य सदस्य भी इसमें शामिल रहे। टीम ने रनवे, एटीसी टावर सहित हर क्षेत्र का निरीक्षण किया। साथ ही यात्री लांज में बने दो शीशे के कमरों को हटाने का निर्देश दिया। इसके साथ ही कई और दिशा-निर्देश भी दिए गए, ताकि जल्द से जल्द बोकारो से हवाई उड़ान शुरू हो सके। इसके बाद एयरपोर्ट के सभी अधिकारियों के साथ बैठक भी हुई।

उन्होंने कहा कि किसी भी विमान के उड़ान भरने और उसे लैंड करने में कोई दिक्कत नहीं हो, इसके लिए ऑपरेशन एरिया में कुछ काम बाकी हैं, जिसे पूरा करने का निर्देश दिया गया है। वहीं जो पेड़ काटे गए हैं, वह अभी बड़े हो रहे हैं, उन्हें पूरी तरह से साफ किया जाएगा। अगर पेड़-पौधे रहेंगे तो उसमें पक्षियां आएंगी, जिससे हवाई उड़ान के दौरान विमान से उनके टकराने से यात्रियों की सुरक्षा पर खतरा उत्पन्न हो सकता है, इसलिए उन सभी पेड़ों को हटवाना बहुत जरूरी है। इसके अलावा चहारदीवारी के सटे आसपास के इलाके में जितन भी बूचड़खाने हैं, उन्हें हटवाने की व्यवस्था की जाएगी, क्योंकि बूचड़खाने जहां रहते हैं, वहां पक्षियां आती हैं। पक्षी हवाई उड़ान के लिए सबसे बड़ा खतरा साबित हो सकती है।

स्पाइस जेट और एयर एलायंस के हवाई जहाज भरेंगे उड़ान

रीजनल एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर ने कहा कि बोकारो के बाद दुमका एयरपोर्ट का भी निरीक्षण किया जाएगा, लेकिन दुमका से पहले बोकारो से उड़ान सेवा पहले शुरू की जाएगी। क्षेत्रीय कनेक्टिविटी योजना के तहत जितने भी एयरपोर्ट देखने का मौका मिला है, उन सभी में बोकारो सबसे अच्छा हवाई अड्डा है। यहां की बिल्डिंग काफी अच्छी है। कुछ छोटे-छोटे काम जो बाकी रह गए हैं, उन्हें अविलंब पूरा करने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दे दिया गया है। जितनी जल्दी सभी काम पूरे हो जाएंगे, उतनी ही जल्दी उड़ान सेवा शुरू हो जाएगी। सभी काम पूरे होने के बाद डीजीसीए से लाइसेंस मिलने में जरा सी भी देर नहीं लगेगी। उन्होंने कहा कि यहां से स्पाइसजेट और एयर एलायंस, दो विमान पटना और कोलकाता के लिए उड़ेंगे। एयरपोर्ट निरीक्षण में बोकारो विधायक बिरंची नारायण भी थे। जबकि एयरपोर्ट अथॉरिटी टीम में सीएनएस एचएस विश्वास, जीएम इंजीनियरिंग ताराकांत, रीजनल आरआईएस ऑफिसर सुबीर सरकार, असिस्टेंट जनरल मैनेजर ऑपरेशन मनोज प्रसाद सिंह, एजीएम अरिंदम चक्रवर्ती, वरिष्ठ प्रबंधक सीएनएस सौरभ सिंह, कंसल्टेंट सीएनएस उत्तम चंद्र, बोकारो एयरपोर्ट मैनेजर प्रिया सिंह आदि मौजूद थे। इसके पूर्व नई दिल्ली, रांची और कोलकाता से आए सदस्यों के दल ने बोकारो हवाई अड्डा का निरीक्षण किया। टीम के सदस्यों ने रनवे, यात्री लांज, एटीसी (एयर ट्रैफिक कंट्रोलर) टावर, सुरक्षा-व्यवस्था आदि का जायजा लिया गया।

देशभर में 30 एयरपोर्ट होंगे चालू

निरीक्षण के बाद रांची एयरपोर्ट के डायरेक्टर एके अग्रवाल ने मीडियाकर्मियों को बताया - सरकार का स्पष्ट आदेश है कि बहुत ही जल्द देशभर में 30 एयरपोर्ट चालू किया जाए। इसमें झारखंड के बोकारो और दुमका एयरपोर्ट शामिल हैं। इसी क्रम में निरीक्षण करने टीम पहुंची है। टीम बोकारो एयरपोर्ट के काम देखकर संतुष्ट है। यहां 99.9 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। बाकी जो भी दिशा-निर्देश डीजीसीए की ओर से दिया जाएगा, उसे पूरा किया जाएगा। यानी किसी भी हाल में 2023 में ही यहां से उड़ान सेवा शुरू हो जाएगी। इसके लिए एलायंस एयर से बातचीत भी हो चुकी है। फिलहाल बोकारो से कोलकाता और पटना के लिए उड़ान सेवा शुरू होगी।

प्रतिभा इंजीनियरिंग की परीक्षा में विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने पाई कामयाबी, 70 से अधिक विद्यार्थी रहे सफल

जेईई एडवांस्ड : विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा, डीपीएस बोकारो का हर्ष टॉपर

संवाददाता
बोकारो : इंजीनियरिंग की संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई एडवांस्ड) 2023 में बोकारो के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन किया है। 70 से अधिक विद्यार्थी इसमें सफल रहे हैं। डीपीएस बोकारो के छात्र रहे हर्ष बिहानी ने अखिल भारतीय स्तर पर एआईआर, सीआरएल 2097 लाकर विद्यालय में सबसे बेहतर परिणाम हासिल किया है। एआईआर 2814 के साथ छात्रा आयुषी सिन्हा दूसरे, एआईआर 5136 के साथ प्रिंस कुमार तीसरे तथा एआईआर 5655 हासिल कर श्रेयस कुमार जायसवाल चौथे स्थान पर रहे। श्रेयस ने कैटेगरी रैंक 1114 हासिल किया है। विद्यालय के मेधावी छात्र प्रसून देव (एआईआर- 5946, कैटेगरी- 1198), कृष चंचल (एआईआर 6675), सत्यम (एआईआर - 8283, कैटेगरी- 1108) और आर्यन कश्यप (एआईआर 8810, कैटेगरी - 1987) ने भी इस परीक्षा में अच्छी सफलता पाई है।

समाचार लिखे जाने तक प्राप्त जानकारी के अनुसार, उक्त विद्यार्थियों के अलावा सुमित प्रभाकर, तन्मय गौरव, अनामिका, सूर्यांश पांडे, अद्वय कुमार, श्रेयान घोष, आद्या सिंह बिसेन, श्रेयस सागर, तनु श्री, तरुण गुप्ता, कुमार युवराज, अभिजीत, पीयूष ओझा आदि समेत 25 से अधिक छात्र-छात्राओं ने इंजीनियरिंग की इस राष्ट्रीय परीक्षा में सफलता पाई है। इस उत्कृष्ट सफलता पर विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार ने प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने सभी सफल छात्र-छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

चिन्मय विद्यालय में उज्जवल लाल का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

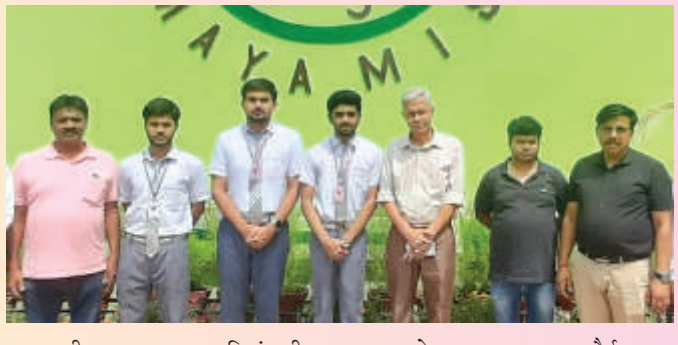

जेईई एडवांस्ड परीक्षा में चिन्मय विद्यालय, बोकारो के छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का बेहतरीन प्रदर्शन कर सफलता हासिल की है। स्कूल के उज्जवल लाल को अखिल भारतीय स्तर पर 3401वां (सामान्य श्रेणी) स्थान प्राप्त हुआ है। चंद्रकांत सुमन को 557 (कैटेगरी) रैंक, श्रेयांस जायसवाल को 1115वां (कैटेगरी) सोमांशु कुमार 1218 (कैटेगरी) रैंक, कृति कुमारी 2275 (केटेगरी) और आदित्या पासवान को 2776 (कैटेगरी) स्थान प्राप्त हुआ है। समाचार लिखे जाने तक 24 छात्रों के अच्छे रैंक से सफल होने की सूचना मिली है। प्राचार्य सूरज शर्मा ने कहा कि वाकई यह परिणाम सुखद है। अब तक जिन छात्र-छात्राओं को सफलता मिली है, उनमें शुभम कुमार 10205वां रैंक, सिद्धार्थ राज 13872, हर्ष राज 13988, आकृति कुमारी 16050, ऋषभ कुमार 18138, सुदीप्त दास 20666, प्रियांश पीयूष 24375, श्रेयश राज 25255, शौर्य 25338, मुकुल रंजन 25961, स्वर्णिका पारूल 5950 (कैटेगरी) आदि शामिल हैं। मौके पर आचार्य, चिन्मय मिशन बोकारो के अध्यक्ष बिश्वरूप मुखोपाध्याय, महेश त्रिपाठी सचिव, नरमेंन्द्र कुमार मुख्य संयोजक, कुमोद रंजन सिंह, नीरज चौबे, राज कुमार, अशोक चौबे, संजीव कुमार, सुदिष्ट नारायण झा, विभाष चंद्रा ने सभी छात्रों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। उज्ज्वल लाल ने हर दिन 10 से 12 घंटे की पढ़ाई लगातार कर सफलता पाई है। वह भविष्य में सॉफ्टवेयर इंजीनियर बनना चाहता है।

डीपीएस चास के युवराज को मिला कैटेगरी रैंक 461

आईआईटी जेईई एडवांस की परीक्षा में डीपीएस चास के दो विद्यार्थियों ने शानदार सफलता पाई। विद्यालय के युवराज कुमार ने इस परीक्षा में 461वीं रैंक (एसटी कैटेगरी) पाई, वहीं सृजन सिन्हा को ऑल इंडिया रैंक 20420 मिली। विद्यार्थियों की सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए डीपीएस चास की चीफ मेंटर डॉ. हेमलता एस. मोहन ने कहा कि विद्यालय बच्चों को गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा देने व उनके सर्वांगीण विकास के लिए कटिबद्ध है। स्कूल की कार्यवाहक प्राचार्या दीपाली भुस्कुटे ने कहा कि बच्चों के शैक्षणिक विकास के लिए शिक्षक योजनाबद्ध तरीके परिश्रम करते हैं। यह रिजल्ट उसी परिश्रम का परिणाम है। डीएस मेमोरियल के सचिव सुरेश अग्रवाल ने इस उपलब्धि पर पूरे विद्यालय परिवार को बधाई दी।

बैंकों का अस्तित्व बचाने को होगा संघर्ष

आर्थिक सुधार के बहाने की जा रही साजिश : लल्लन

संवाददाता

बोकारो : स्थानीय मिलन हॉल (भारत सेवाश्रम संघ), सेक्टर-4 में बैंक ऑफ इंडिया इम्पलाइज यूनियन झारखण्ड स्टेट के बोकारो अंचल के सदस्यों की एकदिवसीय बैठक संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष नन्द कुमार महाराज की अध्यक्षता में हुई। बैठक में बैंक ऑफ इंडिया के बोकारो अंचल के बोकारो एवं गिरिडीह जिला के सुदूरवर्ती सभी शाखाओं के कर्मचारियों की जिसमें महिला सदस्यों की भी भारी संख्या में भागीदारी रही। यूनियन के झारखंड प्रदेश सहायक सचिव नूरेन्द्र कुमार दास ने स्वागत उद्बोधन दिया। मुख्य रूप से उपस्थित फेडरेशन ऑफ बैंक ऑफ इंडिया स्टाफ यूनियन्स के अखिल भारतीय महासचिव तथा बैंक ऑफ इंडिया इम्पलाइज यूनियन झारखण्ड स्टेट के भी महासचिव दिनेश झा लल्लन ने उपस्थित सदस्यों को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज फिर से ऐसी स्थिति उत्पन्न की जा रही है, जहां हमें अपने अस्तित्व को बचाने के साथ-साथ बैंक को भी बचाने के लिए तथा इसे जनोन्मुख बनाये रखने के लिए संघर्ष हेतु खड़ा होना पड़ेगा। उन्होंने आगे कहा कि इसके लिए मानसिक रूप से पूर्णरूपेण संगठित होकर संगठन के नेतृत्व में हमें सतत संघर्ष करना होगा, कारण संगठन का कोई विकल्प नहीं है।

उन्होंने कहा कि भारत सरकार द्वारा जारी तथाकथित आर्थिक सुधार के नाम पर सरकारी बैंकों के अस्तित्व को ही खत्म करने का प्रयास किया जा रहा है, जिसके कारण जहां एक ओर समाज में विषमता बढ़ेगी वहीं स्थायी रोजगार के सारे अवसर समाप्त हो रहे हैं तथा यह पूर्णतया खत्म हो जाएंगे। कार्यक्रम को यूनियन के झारखण्ड प्रदेश उप महासचिव एसके अदक, संगठन सचिव एस एन दास, तारक बनर्जी, सत्यजीत गिरि, प्रदीप झा आदि ने भी संबोधित किया। बैठक का संचालन राकेश मिश्रा तथा धन्यवाद ज्ञापन एसपी सिंह ने किया।

बैठक की सफलता में इन्द्रजीत चौधरी, राजहंस, विनय कुमार, विजय कुमार बांसफोड़, रविनव कुमार, संदीप कुमार रवानी, मिथुन कुमार, कृष्णा कुमार, शहबाज आलम, दीपक कुमार, शुभम दोस्त, अजय कुमार, जगरनाथ दास आदि ने अपना अहम योगदान दिया।

सही मार्गदर्शन में ही मिलते हैं अच्छे मुकाम : ऋषि झा

नीट में आइपेम का शानदार प्रदर्शन

बोकारो : बोकारो के प्रतिष्ठित कोचिंग संस्थान आईपेम के छात्रों ने एनटीए की ओर से आयोजित नीट 2023 में ऐतिहासिक परिणाम दिया। संस्थान के चीफ मेंटर ऋषि झा एवं निदेशक संगीता झा के अनुसार संस्थान का परिणाम लगातार बेहतर रहा है। मेडिकल संस्थानों में प्रवेश के लिए आयोजित 720 अंकों की इस परीक्षा में इस बार प्रियांशु कुमार ने 644 अंक अर्जित कर एआईआर 8761 हासिल की। निशा कुमारी को एआईआर 6208 तथा कशिश कुमारी को आल इंडिया रैंक 4285 मिली है। चीफ मेंटर ऋषि झा ने छात्रों के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर संतोष जताते हुए उनके सुनहरे भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि सही मार्गदर्शन और कड़ी मेहनत से ही सुंदर मुकाम हासिल किया जा सकता है, जिसमें बोकारो बच्चे सदा से अव्वल रहे हैं। उन्होंने उक्त सफलता के लिए संस्थान के सभी शिक्षकों को भी बधाई दी है। इधर, इंजीनियरिंग की तैयारी कराने वाली संस्थान की मुख्य इकाई आइपेक का जेईई एडवांस्ड में भी शानदार परिणाम रहा।

संदेश टीम भावना के साथ देश के टॉप-5 पावर प्लांट में स्थान बनाये बीटीपीएस

बोकारो थर्मल में डीवीसी बनाएगा ईस्टर्न जोन का पहला नयी तकनीक वाला विद्युत संयंत्र : अध्यक्ष

संजय कुमार मिश्रा

बोकारो थर्मल : डीवीसी के अध्यक्ष राम नरेश सिंह सहित बोर्ड ऑफ मेंबर के सदस्यों में से सदस्य तकनीकी एम रघु राम, सदस्य वित्त अरुप सरकार, सदस्य सचिव जॉन मथाई, ईडी वित्त जयदीप मुखर्जी अपने दो दिवसीय बोकारो थर्मल दौरा के क्रम में यहां कई कार्यक्रमों में शामिल हुए। साथ ही, एचओपी सहित सभी अधिकारियों एवं इंजीनियरों के साथ काफी अहम बैठक भी की। बैठक में डीवीसी के एचओपी, सीई सहित सभी अधिकारियों एवं इंजीनियरों को पावर प्लांट से टीम भावना के साथ बिजली का उत्पादन करने, देश के सभी सेक्टरों में बोकारो थर्मल के 500 मेगावाट के पावर प्लांट को टॉप फाइव में लाने का लक्ष्य देते हुए कहा कि वर्तमान में बोकारो थर्मल का देश के सभी सेक्टरों के पावर प्लांट में स्थान 12वें नंबर पर है। इसके पूर्व पावर प्लांट स्थित संगम पार्क में अध्यक्ष, बोर्ड ऑफ मेंबर के सदस्यों, उनकी धर्म पत्नियों, एचओपी, सीई ने पौधारोपण किया।

अध्यक्ष ने एफजीडी प्लांट एवं कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया तथा एफजीडी प्लांट को जल्द चालू करने का निर्देश दिया। इसके पूर्व डीवीसी अध्यक्ष को सोमवार को स्थानीय डीवीसी के निदेशक भवन में सीआईएसएफ के जवानों ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया। मौके पर सीआईएसएफ के डिप्टी कमांडेंट बिरेन कुमार सेठी भी मौजूद थे।

बनेगा ग्रीन हाइड्रोजन पायलट प्रोजेक्ट

डीवीसी अध्यक्ष राम नरेश सिंह ने स्थानीय डीवीसी के निदेशक भवन में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि बोकारो थर्मल में 630 मेगावाट वाले पावर प्लांट के स्थान पर पूरे ईस्टर्न जोन का पहला नयी तकनीक का बैट्री स्टोरेज एवं ग्रीन हाइड्रोजन के पाइलट प्रोजेक्ट निर्माण किया जाएगा। कहा कि 630 मेगावाट के बंद पावर प्लांट के डिस्मेलिटंग का कार्य आरंभ कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि बैट्री स्टोरेज एवं ग्रीन हाइड्रोजन के पाइलट प्रोजेक्ट निर्माण को लेकर वर्ल्ड बैंक के साथ सहमति बनाकर डीपीआर भी बना लिया गया है। नयी तकनीक वाला प्लांट 100 मेगावाट आवर का होगा। नये प्लांट को एक से डेढ़ वर्ष के दौरान एवार्ड कर फाइनल कर लिया जाएगा और वर्ष 2024-25 में इसे चालू किया जाएगा।

हफ्ते की हलचल

ठेका श्रमिकों को दी जाने वाली सुविधाओं से अवगत हुए अधिकारी

बोकारो : बोकारो स्टील प्लांट के कार्मिक विभाग के ठेका मजदूर प्रकोष्ठ की ओर से विभिन्न कार्यादेशों के प्रभारी अभियंताओं और कार्मिक विभाग के अधिकारियों के लिए एक संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मानव संसाधन विकास के मुख्य सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में लगभग 250 प्रतिभागी थे। इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को ठेका श्रमिकों को मिलने वाली न्यूनतम मजदूरी दर, भविष्य निधि से सम्बंधित लाभ, कर्मचारी राज्य बीमा के अंतर्गत प्राप्त होने वाली सुविधाओं इत्यादि की जानकारी प्रदान करना था, जिससे वे अपने अंतर्गत कार्यरत श्रमिकों को यथोचित लाभ सुनिश्चित करवा सकें। इस अवसर पर अधिशासी निदेशक (संकार्य) बीरेंद्र कुमार तिवारी एवं अधिशासी निदेशक (कार्मिक एवं प्रशासन) राजन प्रसाद उपस्थित थे। कार्यक्रम के आरम्भ में सभी उपस्थित लोगों का स्वागत करते हुए हरिमोहन झा, मुख्य महाप्रबंधक (कार्मिक) ने कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। इसके बाद पंकज कुमार, प्रबंधक (कार्मिक - ठेका मजदूर प्रकोष्ठ) ने एक प्रस्तुतीकरण के जरिए ठेका श्रमिकों को मिलने वाली सुविधाओं से सम्बंधित जानकारी साझा की। ओपन हाउस सत्र में अधिशासी निदेशक ने प्रतिभागियों के सुझावों को सुना एवं उनकी जिज्ञासाओं का निवारण भी किया। कार्यक्रम का संचालन प्रांजलि, महाप्रबंधक (कार्मिक-ठेका मजदूर प्रकोष्ठ) ने किया।

भारतीय संस्कृति के रक्षक हैं विद्या मंदिर : डॉ. उषा

बोकारो : जरीडीह बाजार स्थित अवध बिहारी सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में बेरमो की प्रसिद्ध स्त्री रोग विशेषज्ञ सह- डॉ. रविंद्र उषा सिंह चैरिटेबल फाउंडेशन की चेयरमैन डॉ उषा सिंह का आगमन हुआ। विद्यालय में विद्यालय के सचिव अनिल अग्रवाल, प्रधानाध्यापक कमलजीत सिंह, पूर्व छात्र निरल कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। डॉ. उषा सिंह को विद्यालय के सचिव अनिल अग्रवाल ने श्रीफल, भागवत गीता तथा अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया। अपने संबोधन में डॉ. उषा सिंह ने कहा कि भारतीय संस्कृति की रक्षा करने वाला भारत वर्ष में इकलौता संस्थान विद्या भारती है, जिसके तहत चलने वाले विद्यालय शिशु मंदिर हैं। उन्होंने स्वयं की प्रेरणा से 25 जोड़ा बेंच और डेस्क देने की बात भी कही। वहीं सचिव अनिल अग्रवाल ने धन्यवाद देते हुए कहा कि यह विद्यालय शिक्षा के साथ-साथ संस्कार भी देता है। मौके पर सुरेश आचार्य, सुभाष, महेंद्र मंडल, रुबीना, काजल, रीता, शकुंतला, धीरज, अरुण, खुशबू, दीक्षा, श्वेता आदि मौजूद रहे।

ब्रजेश ने सीआरपीएफ डीआईजी का पदभार संभाला

बोकारो : सीआरपीएफ (केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल), बोकारो परिचालन क्षेत्र के डीआईजी (उप महानिरीक्षक) के रूप में ब्रजेश सिंह ने अपना पदभार ग्रहण कर लिया। उन्होंने निवर्तमान उप महानिरीक्षक दिलीप कुमार चौधरी से कार्यभार ग्रहण किया। श्री सिंह इससे पहले सीआरपीएफ मुख्यालय, नई दिल्ली में तैनात थे। साथ ही वह भारत के विभिन्न उग्रवाद प्रभावित क्षेत्र एवं एनएसजी जैसे संगठन में अपनी उत्कृष्ट सेवा दे चुके है। रांची विश्वविद्यालय से स्नातक करने के पश्चात् 30 जून 1993 को सीआरपीएफ में राजपत्रित अधिकारी नियुक्त हुए थे। 30 वर्षों के अपने सेवाकाल में अपने उत्कृष्ट कार्यों के लिए कई पदक एवं अलंकरण से नवाजे जा चुके हैं। बता दें कि निवर्तमान डीआईजी श्री चौधरी का स्थानांतरण इसी पद पर लखनऊ की रामपुर इकाई में हो गया है।

हर पंचायत में कैम्प लगाकर बनेगा आयुष्मान कार्ड : बीडीओ

गोमिया : गोमिया : गोमिया प्रखण्ड मुख्यालय के सभाकक्ष में प्रखंड विकास पदाधिकारी कपिल कुमार ने प्रखण्ड के जनप्रतिनिधियों, पंचायत सचिव तथा रोजगार सेवकों साथ बैठक की। बैठक में बीडीओ कपिल कुमार ने कहा कि आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए 30 जून तक विशेष अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान में वैसे लाभुक, जिनका राशन कार्ड है और आयुष्मान कार्ड नहीं बना है, उनके लिए प्रखण्ड की हर पंचायत में कैम्प लगाकर उनका आयुष्मान कार्ड बनाया जायेगा। साथ ही, उन्होंने आम बागवानी योजना के तहत कार्य आरंभ करने पर जोर दिया। उन्होंने मनरेगा के तहत पुरानी योजनाओं के साथ-साथ लंबित योजनाओं को जल्द से जल्द पूरा करने का निर्देश दिया। बैठक में मुखिया मो रियाज, बलराम रजक, नमोती देवी, सावित्री देवी, भानु कुमारी मोदी, कनीय अभियंता रोहित कुमार, बीपीओ पवन गुप्ता, पंचायत सचिव मो फिरोज, शगुनाथ जी, मो सलीम, रोजगार सेवक पन्नालाल शर्मा, एकराम शमशी, विनय गुरु, हेमंत पाल, कपिलदेव रविदास, गुलाब, कौशल किशोर, विशाल डे, ऑपरेटर शारदानंद सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

झारखंडी खतियानी मोर्चा को तीसरा विकल्प बनाने की तैयारी, बेसरा ने सरकार पर साधा निशाना कहा-

'झारखंड में एक लाख करोड़ का घोटाला'

कार्यालय संवाददाता

बोकारो : 'वर्तमान झारखंड असल झारखंड नहीं है, यह ग्रेटर झारखंड भी नहीं है, वृहद झारखंड भी नहीं है और बेहतर झारखंड भी नहीं है। यह झारखंड लूटखंड हो गया है। अली बाबा चालीस चोर के हाथ में आ गया, यहां विधायक बिकाऊ हैं, यहां का नौकरशाह भ्रष्टाचार में लिप्त है। इसलिए भ्रष्ट नौकरशाहों और बिकाऊ विधायकों के हाथ में सत्ता की बागडोर है। इसमें आमूल-चूल परिवर्तन करते हुए व्यवस्था का परिवर्तन करना है, सत्ता परिवर्तन करना है। इसीलिए हम लोगों को प्रशिक्षित कर रहे हैं।'

ये बातें पूर्व विधायक एवं झारखंड खतियानी मोर्चा के केन्द्रीय संयोजक सूरज सिंह बेसरा ने कहीं। यहां बोकारो परिसदन में 'मिथिला वर्णन' से एक बातचीत में उन्होंने कहा कि भाषा नीति अपनी बने, स्थानीय नीति अपनी बने, इसीलिए हम लोगों को तैयार कर रहे हैं। बोला जाता था कि बिहार में भ्रष्टाचार है, चारा घोटाला, सबसे बड़ा घोटाला चारा घोटाला 9,500 करोड़ का हुआ, जिसमें लालू यादव को सजा हुई। झारखंड में अब तक सबसे बड़ा घोटाला उजागर हुआ मधु कोड़ा के मुख्यमंत्री रहते। यह साढ़े चार हजार करोड़ का घोटाला था। अगर हेमंत सोरेन पिता-पुत्र के राज में सीबीआई-ईडी अगर जांच करेगा तो चार हजार नहीं, यहां एक लाख करोड़ रुपये के घपला-घोटाला का खेल सामने आएगा। यहां टेन्डर दे दिया- बालू घाट, अधिकारियों को बोला जा रहा है कि तुम लूट के लाओ। ऐसे झारखंड का सपना हमने नहीं देखा था।

श्री बेसरा ने कहा कि झारखंडी खतियानी मोर्चा झारखंड की राजनीति में तीसरा विकल्प बनाने की तैयारी में सक्रिय है। हम भाजपा-झामुमो-कांग्रेस को छोड़कर तमाम दलों व संगठनों को एकजुट करेंगे। हम ग्रामसभा से विधायक और विधानसभा से विधेयक बनाना चाहते हैं। उन्होंने कहा - झारखंड के नौजवानों को मार्गदर्शन की जरूरत है, क्योंकि उन्हें गुमराह किया जा रहा है। राज्य की वर्तमान सरकार के साढ़े तीन साल पूरे होने जा रहे हैं। अब कुछ महीने बाकी हैं। 2024 में लोकसभा का चुनाव सामने है और विधानसभा चुनाव की भी तैयारी चल रही है। देखा गया है कि झारखंड में वर्तमान सरकार मुद्दों की राजनीति नहीं करती, मुद्रा की राजनीति करती है। जबकि, हम लोग मूल्यों की राजनीति करते हैं। हम एक विचारधारा को लेकर चले हैं। हम लोगों को मूल्यों की राजनीति करने करने की बात सिखा रहे हैं। 2024 के चुनाव के लिए हम लोगों ने तीसरे विकल्प का गठन किया है, जिसका वैकल्पिक नाम है- झारखंड खतियानी मोर्चा। यह मोर्चा कोई राजनीतिक दल नहीं है। हम समान विचारधारा वाले, जल-जंगल, जमीन को लेकर संघर्षरत और ग्राम पंचायतों में सक्रिय संगठनों को एकजुट कर रहे हैं। पांच प्रमंडलों का संयोजक मंडल बन चुका है। 24 जिलों के संयोजक भी बन चुके हैं। हमारा कैलेन्डर बन चुका है। पत्रकार वार्ता में उनके साथ झारखंडी खतियानी मोर्चा के जिला संयोजक अशोक अग्रवाल आजाद भी मौजूद थे।

विधायिका पाठशाला में देंगे प्रशिक्षण

एक सवाल के जवाब में श्री बेसरा ने कहा कि अगले छह महीने के अन्दर लोकसभा और विधानसभा के संभावित उम्मीदवारों को प्रशिक्षित करने का कार्यक्रम हम शुरू कर रहे हैं। इसका नाम हमने रखा है- विधायिका पाठशाला। प्रत्येक महीने में यह तीन-दिवसीय प्रशिक्षण जुलाई से दिसम्बर तक चलेगा। इसमें प्रशिक्षित लोगों का पैनल बनाकर उन्हें जनता के बीच भेजेंगे और उन्हीं लोगों में से हम जनमत संग्रह करने के बाद सभी लोकसभा और विधानसभा सीटों के लिए प्रत्याशियों का चयन करेंगे।

बुद्धिजीवियों को देना होगा सम्मान

उन्होंने कहा कि भारत का जो भी नागरिक है, उसका डोमिसाइल एक है। भारत के नागरिक को उस राज्य के जिला के जिलाधिकारी (डीसी) डोमिसाइल सर्टिफिकेट निर्गत करेगा। यह आर्टिकल-5 में है। लेकिन, फिर आर्टिकल 16 (3) में प्रत्येक राज्य को स्थानीय नीति परिभाषित करने का अधिकार दिया हुआ है। यहां बिहारी भगाओ, बंगाली भगाओ, हिन्दू-मुस्लिम लड़ाओ...। यह कहां है झारखंड में? यह तो हुआ नहीं कभी। ...और कोई हट नहीं सकता। इसलिए भाईचारा की बात करो। नागरिकता की कद्र करो, मेरिट को देखो। किसी बिहारी की सोच से बहुत सारी किताबें लिखी आदिवासी लेखकों ने, कॉलेज में पढ़े हैं, तो पॉलिटिकल साइंस की किताब किसी आदिवासी ने तो नहीं लिखी। तमाम सिलेबस किसी दूसरे राज्य के लेखकों की चलती हैं। तो फिर बुद्धिजीवियों की कद्र नहीं कीजिएगा, साइंटिस्ट की कद्र नहीं कीजिएगा तो झारखंड चलेगा? भेदभाव करना अनुचित है। बुद्धिजीवियों को सम्मान देना होगा।

रवीन्द्र ने संभाला झारखंड राज्य कृषि विपणन पर्षद के अध्यक्ष का पदभार, सीएम ने दी शुभकामनाएं

संवाददाता

रांची : झारखंड राज्य कृषि विपणन पार्षद के नवनियुक्त अध्यक्ष रवीन्द्र सिंह ने इटकी रोड, आईटीआई बस स्टैंड स्थित कृषि विपणन कार्यालय में अपना पदभार ग्रहण किया। सीएम हेमन्त सोरेन ने पदभार ग्रहण करने पर रवींद्र सिंह को अपनी शुभकामना दी। पदभार ग्रहण के उपरांत उन्होंने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, अविनाश पांडेय, प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, कांग्रेस विधायक दल नेता आलमगीर आलम, कृषि मंत्री बादल पत्रलेख के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि राज्य के व्यापारियों के तमाम हितों को ध्यान में रखा जाएगा। राज्य के सभी कृषि बाजार में मुलभूत सुविधाएं उपलब्ध करायी जाएंगी, ताकि खरीदारों को और व्यापारियों को किसी प्रकार की कठिनाइयों का समाना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि मेरी प्राथमिकता यह होगी कि राज्य के सभी कृषि बाजार मॉडल बाजार के रूप में विकसित हों, किसानों को अधिक से अधिक लाभ मिले, यह कैसे सुनिश्चित हो, इस दिशा में भी सार्थक रूप से पहल किया जाएगा।

पदभार ग्रहण समारोह में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर, कार्यकारी अध्यक्ष बन्धु तिर्की, कृषि मंत्री बादल पत्रलेख, अमूल्य नीरज खलखो, जयशंकर पाठक, राजीव रंजन प्रसाद, झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी की प्रवक्ता आभा सिन्हा, अशोक चौधरी, विनय सिन्हा दीपू, संजय लाल पासवान, अभिलाष सिन्हा, गजेन्द्र सिंह, अमरेन्द्र सिंह, पूर्व विधायक ममता देवी, पूर्णिमा सिंह, दिनेश लाल सिन्हा, विनीता पाठक, जगरनाथ साहु, राजेश चन्द्र राजू, संतोष सोनी, विभय शाहदेव आदि शामिल थे। रांची के युवा व्यवसायी और सामाजिक कार्यकर्ता कामाख्या सिंह, सत्य प्रकाश मिश्र भी उपस्थित रहे।

भूमि विवाद के मामलों का करें जल्द निष्पादन : मीणा

मिथिला डायरी

सीतामढ़ी : जिलाधिकारी मनेष कुमार मीणा एवं पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार तिवारी थाना दिवस के अवसर पर स्वयं बाजपट्टी एवं पुपरी थाना पहुंचे, जहां भूमि विवाद से संबंधित मामलों की सुनवाई भी उनके द्वारा की गई। मामलो के त्वरित निपटारा के मद्देनजर जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक के द्वारा संबंधित एसएचओ और सीओ को निर्देशित किया गया। जिलाधिकारी एवं वरीय पुलिस अधीक्षक के द्वारा भू समाधान पोर्टल पर भूमि विवादों से संबंधित विस्तृत विवरण अपलोड करने के बारे में तकनीकी जानकारी भी दी गई। उन्होंने कहा कि भूमि विवाद से संबंधित मामलों का विस्तृत विवरण भू-समाधान पोर्टल पर अपलोड किया जाए। विवरण को अपलोड करने की सभी आवश्यक प्रक्रियाओं के बारे में बताया गया। उन्होंने कहा कि इससे भूमि विवादों के उच्चतम स्तर पर निगरानी की जाएगी एवं भूमि विवाद के मामले को गंभीरता से आकलन किया जा सकेगा तथा इससे संबंधित अधिकारियों को दायित्व के निर्धारण में भी सहायता मिलेगी एवं भूमि विवादों की उच्च स्तरीय समीक्षा में आसानी होगी। जिलाधिकारी मनेश कुमार मीणा के निर्देश के आलोक में थाना दिवस के अवसर पर जिले के सभी थानों में भूमि विवाद के मामलों पर त्वरित सुनवाई को लेकर अंचलाधिकारियों एवं थानाध्यक्षों द्वारा बैठक कर सुनवाई की गई। कई मामलों का ऑन स्पॉट निष्पादन भी किया गया।

'मिथिला वर्णन' के पूर्व दिल्ली ब्यूरो को मातृशोक

नई दिल्ली : 'मिथिला वर्णन' के पूर्व दिल्ली ब्यूरो प्रमुख नीरज कुमार की माता श्रीमती ममता झा के असामयिक निधन से मिथिला वर्णन परिवार शोकाकुल है। मिथिला वर्णन के संपादक विजय कुमार झा के अनुज श्रवण कुमार झा की धर्म-पत्नी ममता झा विगत लगभग एक महीने से बीमार थीं, जिनका इलाज राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के गाजियाबाद स्थित वैशाली के मैक्स सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में चल रहा था। लगभग 38 दिनों के बाद गाजियाबाद के इन्दिरापुरम स्थित आवास पर उन्होंने अंतिम सांसें लीं और शनिवार को उनका असामयिक निधन हो गया। वह काफी धर्म परायण थीं। उनके ज्येष्ठ पुत्र पंकज कुमार झा ने उन्हें मुखाग्नि दी, जबकि छोटे पुत्र नीरज कुमार झा ने अपने अग्रज के साथ अन्य रश्में निभाईं। उनके निधन से मिथिला वर्णन और झा परिवार मर्माहत है। वह अपने पीछे पति, दो पुत्रों और पुत्री नेहा सहित भरा-पुरा परिवार छोड़ गई हैं। उनके निधन पर अखबार के संपादक विजय कुमार झा के अलावा दीपक कुमार झा, रूपक कुमार झा, भोगेन्द्र पाठक, भवेन्द्र झा, धर्मेन्द्र झा, उमाशंकर झा, जटाशंकर झा, सोनू झा, नवीन कुमार झा, हेमचन्द्र मिश्र, कृष्ण चन्द्र मिश्र, कमलेन्द्र मिश्र, प्रवीण कुमार झा, अखिलेश झा आदि ने शोक संवेदना प्रकट करते हुए ईश्वर से उनकी आत्मा को सद्गति तथा शोकाकुल परिवार को दुःख की इस घड़ी में धैर्य प्रदान करने की प्रार्थना की है।

विश्व योग दिवस पर विशेष : चित्त को साधना ही योग, प्राणायाम ही योग का आधार

गुरुदेव श्री नंदकिशोर श्रीमाली

स्वस्थ शरीर, स्वस्थ मन, आनन्द भाव यही है प्राणायाम। प्राणायाम योग का आधार है। साधक के जीवन में 'स्वास्थ्य' शब्द बहुत महत्वपूर्ण है। स्वास्थ्य का अर्थ सिर्फ तन्दुरुस्ती ही नहीं होता। स्वास्थ्य का अर्थ है- 'स्वयं' में जो स्थित हो गया है, 'स्व' में जो ठहर गया है, आत्मा में जो लीन हो गया है, डूब गया है, अपने 'स्व' को जिसने पा लिया है। अब जिसके लिए कुछ भी 'पर' नहीं रह गया है। ऐसा कुछ भी नहीं रहा जिसे 'दूसरा' कहा जा सके अथवा जिससे संघर्ष हो सके। सारा विरोध, सारे स्वर 'स्व' में बदल गये हों, ऐसी ही स्थिति का नाम 'स्वास्थ्य' है।

याज्ञवल्क्य जी बहुत बड़े ब्रह्मवेत्ता, परमात्मा स्वरूप व महान ऋषि थे। उन्होंने ही योग को सम्पूर्ण रूप से परिभाषित किया था। याज्ञवल्क्य जी के मुताबिक 'जिस समय मनुष्य सब चिंताओं का परित्याग कर देता है, उस समय उसके मन की, उसकी उस लय अवस्था को योग कहते हैं'। अर्थात चित्त की सभी वृत्तियों को रोकने का नाम योग है। वासना और कामना से लिप्त चित्त को वृत्ति कहा गया है। यम नियम आदि की साधना से चित्त का मैल छुड़ाकर इस वृत्ति को रोकने का नाम योग है।

प्राणायाम योग का प्रारंभ

योग अनेक प्रकार के होते हैं। राजयोग, कर्मयोग, हठयोग, लययोग, सांख्ययोग, ब्रह्मयोग, ज्ञानयोग, भक्तियोग, ध्यानयोग, क्रियायोग, विवेक योग, विभूति योग व प्रकृति पुरुष योग, मंत्रा योग, पुरुषोत्तम योग, मोक्ष योग, राजाधिराज योग आदि। मगर याज्ञवल्क्य जी ने जीवात्मा और परमात्मा के मेल को ही योग कहा है। वास्तव में योग तो एक ही प्रकार का होता है।

प्राणायाम : 'प्राणायाम' का शाब्दिक अर्थ है प्राण का आयाम। अर्थात प्राण को एक समान गति में करना। मनुष्य में प्राण पांच तरह के होते हैं। अर्थात हम जो स्वास लेते हैं, वो पांच प्रकार के होते हैं।

1. प्राण : हमारे शरीर में कंठ से लेकर हृदय तक जो वायु कार्य करती है, उसे प्राण कहते हैं। प्राणों का यह पहला भेद है और यह नासिका-मार्ग, कंठ, स्वर-तंत्र, वाक-इन्द्रिय, अन्न-नलिका, श्वसन-तंत्रा, फेफड़ों एवं हृदय को क्रियाशील कर उन्हें शक्ति प्रदान करता है।

2. अपान: प्राणों के दूसरे भेद को अपान नाम से जाना जाता है। यह हमारी नाभि के नीचे से लेकर पैरों के अंगूठों तक शरीर को क्रियाशील रखता है।

3. उदान: हमारे शरीर में कंठ के ऊपर से लेकर सिर तक देह में अवस्थित होकर प्राणों का यह तीसरा भेद उदान कहा जाता है, जो अपनी क्रियाशीलता के क्षेत्र में जीवनी शक्ति का समुचित संचार करता है। यह प्राण हमारे कंठ से ऊपर शरीर के समस्त अंगों यानी नेत्र, नासिका व सम्पूर्ण मुख मण्डल को वांछित ऊर्जा व तेज प्रदान करता है। हमारे शरीर में अवस्थित पिच्युटरी व पिनियल ग्रंथि सहित पूरे मस्तिष्क को भी यह उदान प्राण ही सक्रिय किया करता है।

4. समान: हमारे शरीर में अवस्थित प्राणों के चौथे भेद को समान कहा जाता है, जो हृदय के नीचे से लेकर नाभि तक शरीर में संचारित हो, उसे वांछित शक्ति प्रदान किया करता है। यह प्राण यकृत, आन्त्र, प्लीहा व अमाशय सहित सम्पूर्ण पाचन तंत्र की आंतरिक क्रिया प्रणाली को संचारित करते हुए वांछित शक्ति प्रदान करता है।

5. ध्यान: हमारे शरीर में अवस्थित प्राणों के पांचवें भेद को ध्यान कहा जाता है, जो पूरे शरीर में व्याप्त रहते हुए जीवनी शक्ति का संचालन करता है। शरीर की समस्त गतिविधियों को प्राणों का यह भेद नियमित तथा नियंत्रित करता है। हमारे सभी अंगों, मांसपेशियों, तन्तुओं, संधियों एवं नाड़ियों को गतिशील व क्रियाशील रखते हुए सभी आवश्यक ऊर्जा व शक्ति का हमारे शरीर में संचार किया करता है। प्राणों के इन पांचों भेदों के अतिरिक्त हमारे शरीर में देवदत्त, नाग, कृंकल, कूर्म व धनंजय नाम के प्राणों के पांच उपभेद हैं, जो क्रमशः छींकने, पलक झपकाने, जंभाई लेने, खुजलाने, हिचकी लेने आदि की क्रियाओं को संचालित किया करते हैं।

शरीर को लाभ : श्वांस पर नियंत्रण रखता है प्राण

प्रथम प्राण हमारी सांस की क्रिया पर नियंत्राण रखता है। यह वह शक्ति, जिससे हम सांस अन्दर की तरफ खींचते हैं और वक्षीय क्षेत्रों में गतिशीलता प्रदान करती है।

नाभि स्थान के नीचे क्रियाशील रहता है अपान- अपान उदर के नीचे क्षेत्र अर्थात नाभि क्षेत्रा के नीचे सक्रिय रहता है। मूत्र, वीर्य और मल निष्कासन को नियंत्रित करता है।

पाचन क्रिया में मदद करता है समान- उदर अथवा पेट स्थान को गतिशील करता है समान। यह पाचन क्रिया में मदद करता है। पेट के अवयवों को ठीक ढ़ंग से काम करने के लिए सुरक्षा प्रदान करता है।

उदान वाणी और भोजन को व्यवस्थित करत है- उदान जिह्वा द्वारा कार्य करता है। यह वाणी और भोजन को व्यवस्थित करता है। उदान रीढ़ की निचली हड्डी के निचले हिस्से से ऊर्जा को मस्तिष्क तक पहुंचाता है।

नस-नस तक ऊर्जा पहुंचाता है व्यान- हमारे पूरे शरीर की गतिविधियों को व्यान नियंत्रित करता है। यह भोजन और सांस लेने से मिलने वाली ऊर्जा को धमनियों, शिराओं और नाड़ियों द्वारा पूरे शरीर में पहुंचाता है।

क्यों आवश्यक है प्राणायाम

प्राणायाम का अर्थ है श्वांस की गति को कुछ काल के लिए रोक लेना। साधारण स्थिति में श्वासों की चाल दस प्रकार की होती है। पहले श्वास का भीतर जाना, फिर रुकना, फिर बाहर निकलना, फिर रुकना, फिर भीतर जाना, फिर बाहर निकलना आदि। प्राणायाम में श्वास लेने का यह सामान्य क्रम टूट जाता है। श्वास (वायु के भीतर जाने की क्रिया) और प्रश्वास (बाहर जाने की क्रिया) दोनों ही गहरे और लम्बे होते हैं और श्वासों का विराम अर्थात रुकना तो इतनी देर तक होता है कि उसके सामने सामान्य स्थिति में हम जितने काल तक रुकते हैं, वह तो नहीं के समान और नगण्य ही है। योग की भाषा में श्वास खींचने को 'पूरक', बाहर निकलने को 'रेचक' और रोके रखने को 'कुम्भक' कहते हैं। प्राणायाम कई प्रकार के होते हैं और जितने प्रकार के प्राणायाम हैं, उन सबमें पूरक, रेचक और कुम्भक भी भिन्न-भिन्न प्रकार के होते हैं। पूरक करने में हम नासिका के दाहिने छिद्र या अथवा बायें का अथवा दोनों का ही उपयोग कर सकते हैं। रेचक दोनों नासारन्ध्रों से अथवा एक से ही करना चाहिए। पूरक, कुम्भक और रेचक के इन्हीं भेदों को लेकर प्राणायाम के अनेक प्रकार हो गये हैं।

प्राणायाम दो शब्दों से मिलकर बना है। पहला- 'प्राण' और दूसरा 'आयाम'। प्राण यानी अपने अन्दर की प्राण-ऊर्जा को बढ़ाना अर्थात शरीर के अन्दर नाभि, दिल और दिमाग आदि में स्थित प्राणवायु बढ़ाना। आयाम के तीन अर्थ हैं। पहला दिशा और दूसरा योगानुसार नियंत्रण या रोकना, तीसरा- विस्तार या लम्बायमान होना। प्राणों को ठीक-ठीक गति से आयाम दें, यही प्राणायाम है।

(साभार : निखिल मंत्र विज्ञान)

हर तरह के दर्द में लाभ पहुंचाते हैं ये घरेलू नुस्खे

घरेलू नुस्खे हमें सेहत की समस्याओं से तो राहत पहुंचाते ही हैं। इनके उपयोग से हमारे शरीर पर किसी प्रकार का बुरा प्रभाव भी नहीं पड़ता है। कुछ चीजें हमारे घर में हर मौसम में आसानी से मिल जाती हैं, जिनका उपयोग करके हम कई तरह के दर्द से निजात पा सकते हैं। आइए जानते हैं सिरदर्द से लेकर शरीर के दर्द तक को दूर करने के घरेलू उपाय-

- लौंग एक ऐसी चीज है, जो हर घर में हर मौसम में मिल जाती है। दांत दर्द एक ऐसी समस्या है, जो कभी-कभी अचानक से होने लगती है, ऐसे में दवाई मिलना भी मुश्किल होता है। दांत दर्द में लौंग का तेल बहुत फायदेमंद होता है। अगर आपके घर में लौंग का तेल न हो तो दांत के नीचे लौंग दबाने से भी दर्द में राहत मिलती है। इसके अलावा गले में खराश और गले के दर्द में भी लौंग फायदा पहुंचाती है।

- काम के तनाव और थकान से होने वाले दर्द से राहत पाने के लिए अदरक डालकर काली चाय बनाकर पिएं। उसके बाद कुछ देर तक आंखे मूंदकर आराम से लेट जाएं, इससे आपको सिरदर्द से राहत मिलेगी और थकान भी दूर होगी। अगर आपको काली चाय पसंद न हो तो दूध डालकर चाय भी बना सकते हैं।

- अगर आप काम करके बहुत ज्यादा थक गए हैं, जिसकी वजह से आपके शरीर में दर्द महसूस हो रहा है तो दर्द की दवा लेने के बजाए हल्दी वाला गर्म दूध पीकर सो जाएं। इससे कुछ ही देर की नींद लेने के बाद जब आप उठेंगे तो तरोताजा महसूस करने लगेंगे। आपके शरीर का सारा दर्द भी दूर हो जाएगा।

- पूरे दिन ऑफिस में एक ही जगह कुर्सी पर बैठकर काम करने की वजह से हमारे पैरो में रात के समय दर्द होने लगता है। इस दर्द से राहत पाने के लिए कुछ देर तेल से अपने पैर को तलवों की मालिश करें। इससे आपको दर्द में तो राहत मिलेगी ही, तलवों की जलन से भी राहत मिलती है साथ ही, आपके पैरों की त्वचा भी मुलायम बनी रहती है। एनिसीड ऑइल, लैवडंर ऑइल, लौंग का तेल, लैमन ग्रास ऑइल, ये सारे तेल दर्द से राहत दिलाने में बहुत कारगर हैं। अगर बहुत ज्यादा थकान हो रही हो, जिससे शरीर में भारीपन, ऐंठन जैसा दर्द महसूस हो तो इनमें से किसी तेल से शरीर की मसाज करने पर हमारी मांसपेशियों को आराम मिलता है। जिससे कुछ ही देर में शरीर का सारा दर्द दूर हो जाता है।

तकनीक से मिले तनाव का योग में समाधान

ज्योतिषीय विश्लेषण

- बी. कृष्णा नारायण -

तेज रफ्तार वाले 4जी और 5जी से लैस इंटरनेट, बेहतरीन संचार सुविधाएं एवं बाधारहित कंप्यूटिंग में सहायक बने विभिन्न गैजेट से हमें जो ताकत मिली है, उसमें तकनीक की भूमिका महत्वपूर्ण साबित हो रही है। इनके साथ मौजूदा दौर में इंसानी बौद्धिकता और कुशाग्रता एक मिशाल बनकर उभरी है। हर छोटे-बड़े काम तकनीक की मदद से निपटाए जा रहे हैं, जिससे इंसानी जीवन सरल बन गया है। सुविधाएं बढ़ गई हैं। विकास ने रफ्तार पकड़ ली है। कहा जा सकता है कि तकनीक सिर्फ एक शब्दमात्र नहीं, अपितु एक अवधारणा बन चुकी है, जो मानव जीवन को और अधिक आसान बनाने में लगातार मदद कर रही है।

इसका दूसरा पहलू भी है। तकनीक ने जहां जीवन को आसान बनाया है, वहीं दिनचर्या में इसकी गहरी तक हो चुकी घुसपैठ से हमारे दिमाग में सोचने–समझने, त्वरित निर्णय लेने और परिणामी नतीजे निकालने में समय का अंतराल काफी कम हो गया है। ऐसे में कई बार ऐसा होता है कि स्मार्टफोन या पीसी, लैपटॉप के की-बोर्ड पर उंगलियां चलाते हुए बातें या विचार असंतुलित हो जाते हैं। सोचने की क्षमता कमजोर पड़ जाती है। कई चीजें गड्डमड्ड हो जाती हैं। यानी कि सुविधाएं देने वाला तकनीक ही एक तनाव का कारण बन जाता है। इनसे चिड़चिड़ापन, शीघ्र आवेश, अकेलापन या खालीपन की आकस्मिक स्थितियां पैदा हो जाती हैं।

इनसे दूसरे किस्म की शारीरिक व्याधियां पैदा होने लगती हैं। मानसिक तनाव से बिगड़े मनोविज्ञान से लेकर मधुमेह, उच्च रक्तचाप, माइग्रेन, पाचन विकार आदि की आशंकाएं बन जाती है। इस लिहाज से यह कहना गलत नहीं होगा कि जो तकनीक मददगार बनकर सामाने आया है, वही तनाव का कारण भी है। इनसे दूसरे किस्म की शारीरिक व्याधियां पैदा होने लगती हैं। इंसान के मानेविज्ञान से लेकर मधुमेह, उच्च रक्तचाप, कैंसर, माइग्रेन,पाचन विकार आदि की आशंका बन जाती है।

जब तनाव की बात आती है, तब मानसिक संतुलन के लिए पौराणिक पद्धति योग की ओर ध्यान चला जाता है। डिजिटाइजेशन के दौर में सामान्य से लेकर कृत्रिम बुद्धिमत्ता के तकनीक की विविधताएं और उसके इस्तेमाल को लेकर दिमागी उलझनों को योग के कुछ प्रयोग से संयमित किया जा सकता है। इनसे मिली असीम शांति हमें एक असाधारण सुख की ओर ले जाती है। हमने तकनीक का इस्तेमाल खुद के जीवन को सुव्यवस्थित करने के लिए किया, परन्तु आज हम यह सोचकर तनावग्रस्त हो जाते हैं कि कहीं यही तकनीक हम पर हावी न हो जाय। तनाव का यह रूप निकट भविष्य की अप्रत्याशित मांगों और दबावों से उपजा है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी तनाव को 'इक्कीसवीं सदी की सबसे खराब स्वास्थ्य महामारी' करार दिया है। अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन रिपोर्ट है कि 50फीसदी से अधिक अमेरिकी विभिन्न कारणों से तनाव से पीड़ित हैं। साथ ही 91 फीसदी वयस्क ऑस्ट्रेलियाई जीवन के कम से कम एक क्षेत्र में तनाव महसूस कर रहे हैं। कमोबेश ऐसे ही डराने वाले आकंड़े भारत के संदर्भ में भी हैं।

तकनीक की वजह से उपजी तनाव के बारे में न्युयॉर्क के चिकित्सक किम्बर्ली का कहना है कि 'प्रौद्योगिकी तब एक समस्या बन जाती है, जब यह आपके दैनिक जीवन में हस्तक्षेप करना शुरू कर देती है।'

प्रश्न है कि ऐसा क्यों हुआ? इसका उत्तर हमारे विकास से जुड़ा हुआ है। विकासोन्मुखी धारा के साथ काम करते हुए जरूरी तकनीक की विकास यात्रा शुरू हुई। धीरे–धीरे यही तकनीक हमारी जरूरत बन गई और हम इसपर आश्रित होते चले गए।

ध्यायतो विषयान्पुंसः संगस्तेषूपजायते।
संगात्संजायते कामः कामात्क्रोधोऽभिजायते॥
क्रोधाहः सम्मोहातस्मृतिविभ्रमः।
स्मृतिभ्रंशाद्बुद्धिनाशो बुद्धिनाशात्प्रणश्यति॥

हमारी इच्छाएं अपना फन फैलाने लगीं. हमने अपनी इच्छाओं को खूब विस्तार दे दिया। उसकी पूर्ति होगी या नहीं होगी, इस कश्मकश ने हमारे भीतर क्रोध को पैदा किया। क्रोध के पैदा होते ही हमने अपना विवेक खो दिया। अपनी सहजता और सरलता खो दी। सही-गलत की पहचान के गुम होते ही परिणाम, तनाव के चपेट में आ गए। तनाव अंततः शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक समस्याओं का कारण बनता चला गया। कई बार तो कुछ व्यक्ति इतनी अधिक मानसिक पीड़ा से गुजरते हैं, कि आत्महत्या तक को गले लगा लेते हैं।

इसका निदान योग के पास है. योग हमारे तनाव को दूर करनेवाला होगा, पर कब? योग का अर्थ है जुड़ना। जुड़ना अपने अंतस से और बाह्य से। तकनीक के इस्तेमाल ने हमें कनेक्शन तो दिया है, पर कनेक्टिविटी नहीं दी है और हमारे सारे तनाव का जड़ यही है। कनेक्शन को ही कनेक्टिविटी समझ लेने की भूल कर बैठे हैं। योग से हमारा तात्पर्य सिर्फ आसन और प्राणायाम नहीं, बल्कि जीवन शैली है, जिनसे मानसिक स्थिरता मिलती है और हम कनेक्टिविटी के तारों के साथ सहज बने रहते हैं।

युक्ताहारविहारस्य युक्तचेष्टस्य कर्मसु।
युक्तस्वप्नावबोधस्य योगो भवति दुःखहा॥

ठीक समय पर भोजन करना, ठीक समय पर विचरण करना, ठीक समय पर सोना, कर्मों को सही समय पर ठीक से करना, समय पर जागना। यदि यह हमने अपनी दिनचर्या में शामिल कर लिया, तो समझें कि तनाव मुक्ति की दिशा में हमने अपना पहला कदम बढ़ा लिया है।

प्रश्न उठता है कि इस कदम से होगा क्या?

'योगः कर्मसु कौशलम्
समत्वं योग उच्यते'

हममें कार्य को करने की कुशलता आने लगेगी। हम समभाव में स्थित होने लगेंगे।

ओम् सुषारथिरश्वानिव यन्मनुष्यान्नेनीयते अभीशुभिर्वाजिन इव।
हृत्प्रतिष्ठं यदजिरं जविष्ठं तन्मे मनः शिवसंकल्पमस्तु ।।

बड़ी ही कुशलता से तेज गति से इधर–उधर भागने वाले मन को सहजता और सजगता से नियंत्रित करते हुए हम अपने गंतव्य तक पहुंच जाएंगे। इसके लिए जरूरी है कि हम मन के स्तर पर ही संकल्प लें कि हमारा मन श्रेष्ठ और कल्याणकारी भाव से युक्त रहे। स्व में स्थित रहे।

जहां तकनीक से हम तनाव की ओर जा रहे हैं, वहीं हम तकनीक से ही इससे मुक्ति की तरफ भी चलें। एक तकनीक जो यंत्रवत है, हमें तनाव दे रहा है, परन्तु एक तकनीक ऐसा है, जहां भाव और प्राण जुड़ा है, वह तनाव से मुक्त कर रहा है। तनाव प्रबंधन के लिए जीवन में इसे नियमित शामिल करें-

1). **सात दिन सात मिनट तकनीक :** रीढ़ की हड्डी सीढ़ी करके बैठ जाएं। आंखों को बंद करें। सात मिनट, बस सहज रूप से आती-जाती श्वासों के सहज प्रवाह पर अपना ध्यान केंद्रित करें। दस गहरी श्वांस नाभि तक लीजिये और छोड़ें। यह तत्काल आपके तन-मन को विश्राम की स्थिति में ले जायेगा। इसके साथ ही साथ आपको अपनी ओर से खाली रहना है, शांत रहना है। इसी में अपने आप जो शुभ और उचित निर्णय होगा, वह स्वतः ही स्पष्ट हो जाएगा। जीवन में आये बड़े से बड़ा तनाव के समय श्वसन साधना न केवल मजबूती से खड़े रहने का बल प्रदान करेगा, अपितु इससे पार पाने का मार्ग भी प्रदान करेगा। कितना भी चंचल मन हो, वह नियंत्रित होने लगेगा।

इसमें सबसे अच्छी बात यह है कि आपको अपने काम को छोड़कर कहीं बाहर जाकर इसे नहीं करना है। अपने ऑफिस में बैठे–बैठे भी आप इसे सहजता से कर सकते हैं।

2). सप्ताह में कम से कम दो दिन आभासी दुनिया से बाहर निकलकर प्रकृति और लोक से जुड़ें। इससे जीवन की जड़ता समाप्त होगी। भाव की प्रधानता होगी और जीवंतता जागृत होगी। अनुशासित होंगे। जीवन में एक रीत आएगी। परिणाम- तनाव आपको छू तक नहीं जायेगा।

एक बात याद रखिए, यह आपका जीवन है और इसे आपको ही बुनना पड़ेगा। इस अमूल्य मानव जीवन को किसी मेकेनाइज्ड तकनीक के हवाले न करें, बल्कि आध्यात्मिक तकनीक (योग) को सौंपकर तनाव से मुक्त जीवन जीएं। ***(लेखिका वरिष्ठ ज्योतिषविद् हैं।)***

रामलला की नगरी में होगा निखिल शिष्यों का महाजुटान

भूमि-पूजन के साथ अयोध्या के कारसेवक पुरम में गुरु पूर्णिमा महोत्सव की तैयारी शुरू, 2-3 जुलाई को शिविर में देश-विदेश से जुटेंगे हजारों श्रद्धालु

विशेष संवाददाता

अयोध्या : भगवान श्रीराम की नगरी में आगामी 2-3 जुलाई को गुरु पूर्णिमा के अवसर पर निखिल शिष्यों का महाजुटान होगा। आध्यात्मिक मासिक पत्रिका 'निखिल मंत्र विज्ञान' एवं अन्तर्राष्ट्रीय सिद्धाश्रम साधक परिवार के तत्वावधान में अयोध्या के कारसेवक पुरम में 'गुरु तत्व श्रीराम गुरु पूर्णिमा महोत्सव' की तैयारी प्रारंभ हो गई है। इसी क्रम में कार्यक्रम के आयोजक मंडल के प्रमुख फौजदार सिंह के नेतृत्व में पूरे विधि-विधान के साथ गणपति पूजन, गुरु पूजन, हवन-आरती एवं भूमि-पूजन के साथ पंडाल निर्माण आरंभ हुआ। कार्यक्रम के मीडिया प्रभारी विजय कुमार झा ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि परमहंस स्वामी निखिलेश्वरानंद जी (डॉ. नारायण दत्त श्रीमाली) एवं माता भगवती की दिव्य छत्रछाया तथा पूज्य गुरुदेव श्री नंदकिशोर श्रीमाली जी के सानिध्य में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की इस पावन भूमि पर आयोजित इस दो-दिवसीय गुरु पूर्णिमा महोत्सव में देश-विदेश से हजारों की संख्या में निखिल शिष्यों व श्रद्धालुओं का महाजुटान होगा। इस दौरान गुरुदेव श्री नंदकिशोर श्रीमाली जी साधकों व शिष्यों को गुरु-दीक्षा के साथ-साथ 'गुरु तत्व श्रीराम' तथा मानव जीवन के जीवन के लिए उपयोगी अन्य प्रकार की शक्तिपात दीक्षाएं प्रदान करेंगे। जबकि, शिविर का संचालन मनोज भारद्वाज करेंगे।

आयोजक मंडल के प्रमुख फौजदार सिंह ने कहा कि गुरु पूर्णिमा केवल गुरु पूजा का दिवस नहीं, बल्कि यह प्रत्येक शिष्य के लिए गुरु के प्रति श्रद्धा की अभिव्यक्ति का दिवस है। भारतीय आध्यात्मिक परम्परा में गुरु पूर्णिमा के अवसर पर शिष्य का गुरु से मिलन एक संगम की भांति है, जहां हजारों शिष्य रूपी नदियां गुरु में आकर विलीन होती हैं। भूमि पूजन कार्यक्रम में दिनेश मिश्रा, मीरा मिश्रा, राम मिलन सिंह, सिद्धेश्वर शर्मा, शंभुनाथ सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित थे। फौजदार सिंह ने इस महोत्सव में अधिकाधिक संख्या में लोगों से भाग लेने की अपील की है।

पेज- एक का शेष

एनटीपीसी पर...

और 12 प्रतिशत की गणना करने पर लगभग 1200 करोड़ जुर्माने की रकम होती है।

मंत्रालय से की गई थी शिकायत

प्राप्त जानकारी के अनुसार झारखंड के हजारीबाग जिले के बड़कागांव में एनटीपीसी के पंकरी बरवाडीह कोल परियोजना में एमडीओ (माइन डेवलपर ऑपरेटर) द्वारा भारत सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा फॉरेस्ट क्लियरेंस स्टेज-2 की शर्तों का उल्लंघन कर क्षेत्र की जीवनरेखा दुमुहानी नाला (नदी) को नष्ट कर अवैध खनन कर दिया था। इसके लिए एनटीपीसी द्वारा भारत सरकार की शर्तों में संशोधन भी कराना आवश्यक नहीं समझा था, जिसकी शिकायत मंत्रालय से की गयी थी। मंटू सोनी के अधिवक्ता पटना हाईकोर्ट के नवेंदु कुमार के आरोपों और साक्ष्यों की जांच की गयी। समिति ने वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980 के कथित उल्लंघन पर विस्तृत विचार-विमर्श के बाद उपयोगकर्ता के खनन कार्यों की तुलना में क्षेत्र के हाइड्रोलॉजिकल प्रभाव को देखने के लिए क्षेत्र का दौरा करने के लिए एफएसी की उपसमिति गठित करने की सिफारिश की थी। इसकी सूचना झारखंड सरकार के वन विभाग के प्रधान सचिव को पत्र लिखकर दी गई थी। उप समिति को सामान्यतः त्रिवेणी-सैनिक माइनिंग प्राइवेट लिमिटेड द्वारा विशेष रूप से दुमुहानी नाला और क्षेत्र की जलवायु पारिस्थिति की बदलाव,आकलन और प्रभाव का अध्ययन करने को कहा गया था। इससे संबंधित शिकायती पत्र झारखंड के प्रधान सचिव को भी लिखा गया था। फॉरेस्ट क्लियरेंस की शर्तों का उल्लंघन कर सौ एकड़ एरिया में अवैध खनन के मामले में शिकायत मिलने के बाद जांच करायी गयी। जांच में पुष्टि होने के बाद केंद्रीय एडवाइजरी कमेटी की बैठक में उपसमिति का गठन किया गया। उपसमिति में कृषि मंत्रालय के एडिशनल कमिश्नर ओपी शर्मा, वन मंत्रालय के क्षेत्रीय कार्यालय के अधिकारी, सदस्य के रूप में आईआईटी-आइएसएम धनबाद के प्रो. अंशुमाली और एडिशनल पीसीसीएफ झारखंड सरकार शामिल थे।

सीआईआई- एक्जिम बैंक सम्मेलन में बोले गोयल- दोगुना होगा द्विपक्षीय व्यापार

भारत-अफ्रीका के संबंधों में मजबूती

ब्यूरो संवाददाता

नई दिल्ली : केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण व वस्त्र मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत और अफ्रीका ऐतिहासिक व सांस्कृतिक संबंधों के स्वाभाविक साझेदार हैं। श्री गोयल ने नई दिल्ली में 'भारत-अफ्रीका साझेदारी' पर आयोजित सीआईआई- एक्जिम बैंक सम्मेलन में अपना प्रमुख भाषण दिया। मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि महात्मा गांधी ने सबसे पहले दक्षिण अफ्रीका में सत्य और अहिंसा के सिद्धांतों का अनुपालन किया था और नेल्सन मंडेला ने इस अमूल्य विरासत को आगे बढ़ाया। श्री गोयल ने अफ्रीकी क्षेत्र के 15 राजदूतों के साथ अपनी हालिया बातचीत का उल्लेख किया, जो इस संबंध को और अधिक मजबूत करने की दिशा में एक कदम था। उन्होंने कहा कि वित्तीय वर्ष 2022-23 में अफ्रीका के साथ भारत का द्विपक्षीय व्यापार 9.26 फीसदी बढ़कर लगभग 100 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया है। श्री गोयल ने आगे बताया कि वित्तीय वर्ष 2022-23 में निर्यात 5,120 करोड़ अमेरिकी डॉलर और आयात 4,665 करोड़ अमेरिकी डॉलर के साथ निर्यात व आयात लगभग संतुलित था। उन्होंने साल 2030 तक व्यापार की मात्रा को दोगुना करके 200 बिलियन करोड़ अमेरिकी डॉलर करने के लक्ष्य को प्राप्त करने का विश्वास व्यक्त किया। मंत्री ने कहा कि आकांक्षी युवाओं की आबादी इस लक्ष्य को प्राप्त करने में सहायता कर सकती है।

श्री गोयल ने कहा कि अफ्रीका के 27 सबसे कम विकसित देश (एलडीसी) पहले से ही गैर-पारस्परिक आधार पर शुल्क मुक्त टैरिफ प्राथमिकता से लाभान्वित हैं और अन्य अफ्रीकी देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) व व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) की संभावना का भी पता लगाया जा सकता है। मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की पिछले 9 वर्षों में समान भागीदार के रूप में एक साथ विकसित होने की भावना भारत-अफ्रीका संबंधों का मार्गदर्शन करती है। श्री गोयल ने आगे कहा कि इसी भावना ने दोनों पक्षों के बीच साझेदारी की नींव को मजबूत किया है और आपसी भाईचारा को स्थापित किया है। उन्होंने प्रधानमंत्री की बातों का उल्लेख किया। मंत्री ने कहा, 'अफ्रीका हमारी प्राथमिकताओं में सबसे ऊपर होगा। हम अफ्रीका के साथ अपने संबंधों को और अधिक मजबूत करना जारी रखेंगे। जैसा कि पहले हमने दिखाया है, यह आगे भी निरंतर और नियमित रहेगा।'

श्री गोयल ने कहा कि भारत-अफ्रीका के पास विश्व की लगभग एक-तिहाई आबादी के सपनों और आकांक्षाओं को पूरा करने में सहायता करने की क्षमता है। उन्होंने कहा कि भारत और अफ्रीका, दोनों को जनसांख्यिकीय लाभांश का आशीर्वाद प्राप्त है और इस सदी में कौशल विकास व युवाओं की शिक्षा के साथ यह साझेदारी वैश्विक प्रगति को आगे बढ़ा सकती है। मंत्री ने आगे इस बात को रेखांकित किया कि कैसे भारत वैश्विक दक्षिण (दक्षिण अमेरिका, अफ्रीका, एशिया और ओसिनिया) की आवाज बन सकता है और बहुपक्षीय मंचों पर वैश्विक दक्षिण की आवाज उठा सकता है। श्री गोयल ने समतापूर्ण और समावेशी विकास सुनिश्चित करने को लेकर विश्व की भू-राजनीति को प्रभावित करने के लिए वैश्विक दक्षिण को एक शक्तिशाली आवाज बनाने पर जोर दिया। श्री पीयूष गोयल ने आगे उल्लेख किया कि भारत जरूरत के समय अफ्रीका के लिए एक सच्चा दोस्त है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी के दौरान भारत ने वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना से अपने अफ्रीकी भाइयों और बहनों को दवाओं, टीकों और अन्य उपकरणों उपलब्ध करवाकर सहायता प्रदान की।

श्री गोयल ने 'एक विश्व, एक ग्रिड' के सपने को साकार करने के लिए नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में भारत और अफ्रीका के बीच सहयोग पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत और अफ्रीका नवीकरणीय ऊर्जा, विशेष रूप से जमीन के ऊपर और पानी के नीचे ट्रांसमिशन (पारेषण) लाइनों के माध्यम से परस्पर ग्रिडों के साथ सौर ऊर्जा के उत्पादन में अग्रणी बनने के लिए अद्वितीय रूप से तैयार हैं। मंत्री ने कहा कि इस सस्ती ऊर्जा की क्षमता का प्रभावी ढंग से पूरे दिन लाभ उठाया जाना चाहिए। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) में 20 से अधिक अफ्रीकी देशों की भागीदारी की प्रशंसा की।

मंत्री ने आगे कहा कि भारत का यह दृढ़ विश्वास है कि वैश्विक स्तर पर अफ्रीका का उत्थान मौजूदा समय में काफी जरूरी है। उन्होंने कहा कि भारत और अफ्रीका इस महत्वाकांक्षा को प्राप्त करने के लिए त्वरित गति से एक साथ काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत की स्टार्टअप क्रांति और डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे कि यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई), को-विन, एक राष्ट्र- एक राशन कार्ड (ओएनओआरसी) और डिजिटल कॉमर्स के लिए ओपन नेटवर्क (ओएनडीसी) व्यापार करने में सुगमता व जीवन जीने में आसानी के संवर्द्धन में सहायक रहे हैं और अफ्रीका को इनसे लाभान्वित करने के लिए इसे सफलतापूर्वक दोहराया जा सकता है। इसके अलावा श्री गोयल ने अफ्रीका और भारत के बीच सड़क यातायात, रेलवे व पत्तनों जैसे लॉजिस्टिक्स के क्षेत्र में और अधिक सहयोग व एक विविध, मजबूत और लचीली आपूर्ति श्रृंखला की संभावना तलाशने का भी सुझाव दिया।

श्री गोयल ने कहा कि भारत और अफ्रीका, दोनों समानता व स्वतंत्रता के मूल्यों को साझा करते हैं। उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन की शुरुआत साल 2005 में हुई थी, उस समय से यह भारत और अफ्रीका के बीच आपसी संबंधों को आगे बढ़ाने के साथ मजबूत कर रहा है। मंत्री ने इस साझेदारी को और अधिक बढ़ाने के लिए एक मंच पर भारत और अफ्रीका के उद्योग जगत की प्रमुख हस्तियों और नीति निर्माताओं को एक साथ लाने पर बल दिया।

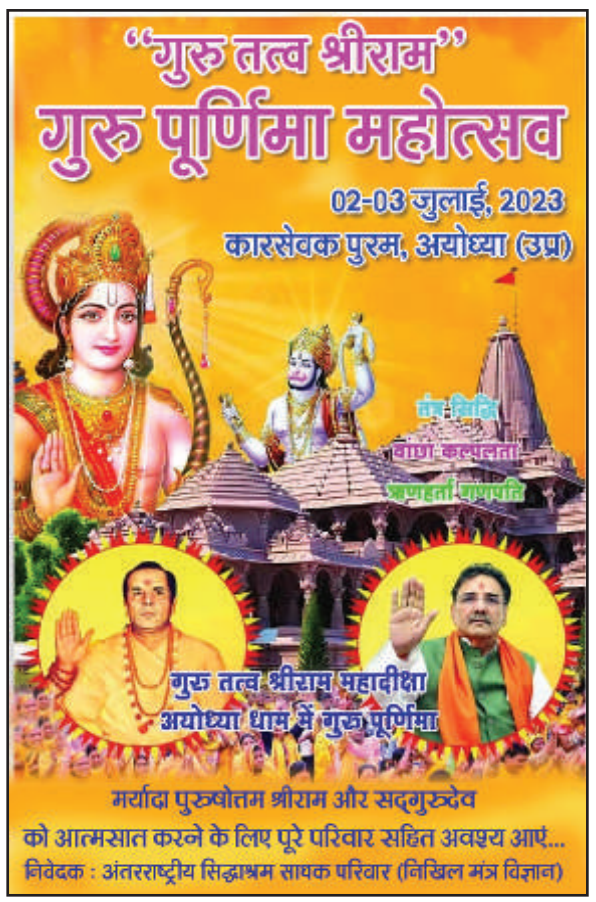

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वत्वाधिकारी विजय कुमार झा द्वारा डीबी कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविन्दपुर रोड, जीके आश्रम, धनबाद से मुद्रित एवं सेक्टर-3बी/94, बोकारो स्टील सिटी (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक : विजय कुमार झा***
प्रबंध संपादक : **कंचन झा**, दिल्ली ब्यूरो : **श्रवण कुमार झा,** फोन/फैक्स : (06542) 246899, E-mail : mithilavarnan@gmail.com, आरएनआई.पंजीयन संख्या : 48973/89 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिये जिम्मेवार)